Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN:2584-184X

Research Paper

छात्र शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

Ashutosh [1*], Dr. Mamta Sharma [2]

[1] Research Scholar, Pursuing PhD in Education, IEC University, Baddi, Distt. Solan, (HP) India

[2] Associate Professor in Education Research, Supervisor in the Department of Humanities and Social Sciences IEC University, Baddi, Distt. Solan, (HP) India

Corresponding Author: * Ashutosh

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मेरठ जिले की 12 b.ed कॉलेज में शिक्षण कार्य कर रहे 120 छात्र अध्यापकों तथा उनके 540 विद्यार्थियों का अध्ययन किया गया है वर्तमान शोध अध्ययन छात्र अध्यापकों की शैक्षिक प्रभावशीलता का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पढ़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करता है। शिक्षकों ,छात्रों तथा महाविद्यालयों का चयन यादृचछिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है। डाटा संकलन हेतु कुमार एवं मुथा (1999), निर्मित शिक्षक प्रभावशीलता को प्रयोग में लाया गया है। यह अध्ययन यह निष्कर्ष प्रदान करता है कि छात्र अध्यापकों की शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पड़ता है। यद्यपि शिक्षक प्रभावशीलता विद्यार्थीयों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाला एकमात्र निर्धारक नहीं है।

Manuscript Info.

✓ **ISSN No:** 2584-184X
✓ **Received:** 28-12-2024
✓ **Accepted:** 03-01-2025
✓ **Published:** 30-01-2025
✓ **MRR:3(1):**2025;42-44
✓ **©2025, All Rights Reserved.**
✓ **Peer Review Process:** Yes
✓ **Plagiarism Checked:** Yes

How To Cite

Ashutosh, Sharma M. छात्र शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन. Indian J Mod Res Rev. 2025;3(1):42-44.

मुख्य शब्द: शिक्षक शिक्षण, शिक्षक प्रभावशीलता, शैक्षिक उपलब्धि।

प्रस्तावना

शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जो एक बालक को एक शिक्षक द्वारा दिए गए उचित निर्देशों के माध्यम से समाज में स्वयं को समायोजित करने का एक व्यवस्थित तरीका बताती है। इसलिए शिक्षा मनुष्य की भौतिक बौद्धिक भावात्मक सामाजिक तथा आध्यात्मिक शक्तियों का सामंजस्य पूर्ण विकास है। गांधी के अनुसार (1945), शिक्षा ही एक मनुष्य के मस्तिष्कतथा शरीर को सर्वश्रेष्ठ रूप से चित्रित करती है। एक व्यक्ति की अंतर्निहित क्षमताओं को प्रकट करके मनुष्य के पूर्ण व्यक्तित्व का विस्तार करना ही शिक्षा है। कोठारी शिक्षा आयोग (1964-**66**) के अनुसार शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य छात्रों में प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान के साथ-साथ तार्किक रूप से सोचने की क्षमता का विकास करना है।

शिक्षक – शिक्षक वह है जो छात्रों को विद्यालय परिवार धर्म तथा समाज में विभिन्न समुदायों के मध्य स्वयं को व्यवस्थित करने तथा सामंजस्य स्थापित करने में सहायता करता है। शिक्षक एक ऐसे सहायक के रूप में कार्य करता है जो विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक विषयों के साथ-साथ जीवन के सामान्य व्यवसाय को को सीखने की प्रक्रिया में भी सहायता प्रदान करता है। एक सफल शिक्षक वही होता

© 2025 Ashutosh, Dr. Mamta Sharma. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

है जिसमें विभिन्न शिक्षण गतिविधियों का प्रयोग करने का गुण तथा कक्षा में उत्पादक शिक्षण प्रदान करने की क्षमता होती है।

शिक्षक शिक्षा- शिक्षक शिक्षा उन प्रक्रियाओं तथा नीतियों को संदर्भित करती है जो की भावी शिक्षकों को ज्ञान व्यवहार दृष्टिकोण तथा शिक्षण कौशल प्रदान करने हेतु डिजाइन की गई है। एक कुशल शिक्षक को शिक्षक कौशलों के साथ-साथ व्यवसायिक कौशलों का ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

ICT की भूमिका- शिक्षण कार्य में आईसीटी का प्रयोग करके शिक्षक के साथ-साथ सीखने की प्रक्रिया को भी सरल तथा रुचि पूर्ण बनाया जा सकता है। आईसीटी छात्र शिक्षकों को सीखने की विभिन्न शैलियों के विषय में जागरूक बनाने के साथ-साथ उनकी शिक्षक योग्यता का उचित उपयोग करके शिक्षण में आने वाली विभिन्न समस्याओं से उभरने में भी सहायता प्रदान करती है।

21वीं शताब्दी में तकनीकी विस्तार के साथ-साथ शिक्षक तथा छात्रों की भूमिका में भी नाटकीय परिवर्तन आया है। इससे पूर्व जहां शिक्षकों पर भी छात्रों को ज्ञान प्रदान करने हेतु संपूर्ण जिम्मेदारी होती थी अब तकनीकी के प्रयोग के साथ शिक्षकों की भूमिका सिर्फ कक्षा तक सीमित नहीं रही बल्कि वे कक्षाओं से परे भी शिक्षार्थियों को सीखने के लिए अपनी भूमिकाओं का निर्माण कर रहे हैं। शिक्षण योग्यता तथा प्रभावशीलता एक सफल संचार के साथ अपनी कक्षा के प्रबंधन की क्षमता तथा तैयारी है। छात्र अध्यापकों में यदि उचित संचार तथा भावात्मक बुद्धि के साथ-साथ प्रभावशीलता का गन हो तो इसका प्रभाव कहीं ना कहीं छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक रूप से पड़ता है। परंतु यदि शिक्षकों को आईसीटी का उचित ज्ञान नहीं है तथा कक्षा में उनकी प्रभावशीलता निम्न स्तर की है तो कहीं ना कहीं वे छात्रों को वर्तमान तकनीकी शिक्षा का उचित ज्ञान प्रदान नहीं कर सकते तथा इसका छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर भी नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलता है। क्योंकि आज समय की मांग यही है कि शिक्षकों में आईसीटी की जागरूकता तथा कक्षा में उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाने के साथ-साथ सीखने की विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया जाए जिससे शिक्षक तथा शिक्षण की योग्यताओं को बल मिलेगा परिणामित: शिक्षा को अधिक रुचिकर तथा सरल बनाया जा सकेगा।

वर्तमान समय में छात्रों की शैक्षिक प्रगति तथा विकास का आकलन उनकी शैक्षिक उपलब्धि से किया जा रहा है। अतः छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि जितनी अधिक होती है उनके अध्यापकों का शिक्षण उतना ही अच्छा तथा प्रभावपूर्ण माना जाता है। डेविस के अनुसार (1997), आईसीटी शिक्षकों को ज्ञान के साथ ही जानकारी का एक वैकल्पिक स्रोत प्रदान करता है जिससे शिक्षकों की प्रभावशीलता को बढ़ाकर छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को भी बढ़ाया जा सकता है। आईसीटी का प्रयोग करके छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा तथा अनुभव प्रदान करके कक्षाओं के प्रबंधन से मुक्त हुआ जा सकता है। अकीरी (2013), ने छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि तथा शिक्षकों के शिक्षक की प्रभावशीलता पर अध्ययन में यह ज्ञात किया कि शिक्षकों का प्रभावपूर्ण शिक्षक छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का एकमात्र निर्धारक नहीं है परंतु प्रभावी शिक्षण छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के बेहतर प्रदर्शन का एक कारक है। लिन वाय (2016), ने अपने शोध कार्य में छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि तथा शिक्षा की प्रभावशीलता पर अध्ययन करने के पश्चात निष्कर्ष निकाला कि यह आवश्यक नहीं है कि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सुधार तथा शिक्षकों के शिक्षक की प्रभावशीलता में कोई प्रत्यक्ष संबंध हो जबकि भारतीय एवं गौतम (2018), ने छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि तथा शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता पर अध्ययन में पाया कि इन दोनों चरों के मध्य एक महत्वपूर्ण तथा सार्थक संबंध पाया जाता है। कोरली तथा बी. **(2024)**, ने अपने अध्ययन में पाया कि कुलबरगी जिले के कक्षा 10 के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि तथा उनके शिक्षकों के प्रभावपूर्ण शिक्षण में एक महत्वपूर्ण तथा सकारात्मक संबंध है।

अध्ययन का उद्देश्य- छात्र शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध विधि- प्रस्तुत शोध प्रपत्र," छात्र शिक्षकों की शैक्षिक प्रभावशीलता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन" पर आधारित है। प्रस्तुत अध्ययन प्रमुख प्राथमिक तत्वों पर आधारित है तथा इसमें अन्वेषण आत्मक शोध अभिकल्प का प्रयोग किया गया है। सूचना दाताओं से सूचना प्राप्ति हेतु साक्षात्कार का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में मेरठ जिले के **12 b.ed** कॉलेज से 120 छात्र शिक्षकों तथा उनके 540 विद्यार्थियों का सूचना दाताओं के रूप में उपलब्धता के आधार पर चयन किया गया है। अतः वर्तमान शोध कल 120 प्रतिदर्श पर आधारित है।

परिसीमा- प्रस्तुत शोध कार्य मेरठ जिले के **b.ed** कॉलेज के छात्र शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीला का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों तक सीमित है।

सांख्यिकीय विधि- प्रस्तुत कार्य में प्रदत्तों की सांख्यिकी विश्लेषण हेतु माध्यमान तथा प्रमाणिक विचलन विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी विश्लेषण तथा परिणाम- छात्र शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव के अध्ययन हेतु पद्धतों का सांख्यिकी विश्लेषण माध्यम तथा प्रमाणिक विचलन द्वारा किया गया। संगणना द्वारा प्राप्त प्रदतों का सारांश निम्न प्रकार है –

चर-

स्वतंत्रता चर- शिक्षकों की उच्च, मध्यम तथा निम्न शैक्षिक प्रभावशीलता।

आश्रित चर- विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि।

© 2025 Ashutosh, Dr. Mamta Sharma. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

तालिका क्रमांक 01

शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव के सांख्यिकी मान

शिक्षक शिक्षकों का समूह		**छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि**	
	प्रदतो की संख्या	माध्यमान	प्रमाणिक विचलन
उच्च शिक्षक प्रभावशीलता	260	68.67	12.27
मध्य शिक्षक प्रभावशीलता	170	64.72	10.84
निम्न शिक्षक प्रभावशीलता	110	62.32	10.32

उपरोक्त तालिका में गणना किए गए माध्यमान के अनुसार विभिन्न छात्र शिक्षकों के मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाया गया है।

आरेख 1.0

शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने प्रभावों के का स्तंभ

Creative Commons (CC) License

This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

परिणाम- तालिका क्रमांक 01 के अवलोकन से यह परिणाम परीक्षित होते हैं की उच्च मध्यम तथा निम्न स्तर के शिक्षक प्रभावशीलता दिखाने वाले शिक्षकों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में भी महत्वपूर्ण विभिन्नता होती है। 0.5 के सार्थकता स्तर पर निम्न स्तर के शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के छात्र समूह की शैक्षिक उपलब्धि का माध्यमान 62.82, मध्यम स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के छात्र समूह की शैक्षिक उपलब्धि का माध्यमान 60.74 है जबकि उच्च स्तर के शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के छात्र समूह की शैक्षिक उपलब्धि का माध्यमान सर्वाधिक 68.67 है।

निष्कर्ष- अतः यह सिद्ध होता है कि भिन्न-भिन्न शिक्षक प्रभावशीलता का स्तर रखने वाले शिक्षकों के छात्र समूह का शैक्षिक उपलब्धि का स्तर भी भिन्न-भिन्न होता है तथा शिक्षक प्रभावशीलता तथा छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में एक महत्वपूर्ण, सकारात्मक तथा सार्थक संबंध पाया जाता है। अतः विद्यालय तथा महाविद्यालयों में शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता को बढ़ाने हेतु उचित प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

संदर्भ

1. Adeyemi BA. Teachers' effectiveness and students' academic achievements in senior secondary school. Civ Casan Gen Soc Sci Manag Stud. 2020;7(2):99-103.
2. Akiri AA. Effects of social factors on performance in public secondary schools. J Educ Soc Res. 2013;3(3):105-111.
3. Koralli A, et al. Images of teaching in relation to academic achievement of high school students in Kalaburgi district. Int J Creat Res Thoughts. 2021;9(9):681-688.
4. Lin Y. Teachers' effectiveness in improving both academic achievement and school emotional skills. [dissertation]. Riverside (CA): University of California; 2016.

© 2025 Ashutosh, Dr. Mamta Sharma. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/